

だ	と	を	差	い	も	帰	農	ま		で	食	ご	日	ん	と	炊		さ	
か	っ	し	し	た	お	ら	作	し	小	す	ベ	は	も	が	立	飯	わ	ぬ	
ら	て	た	の	長	気	ぬ	業	た	学	°	物	ん	一	目	ち	器	た	き	ご
こ	、	り	下	靴	に	人	中	°	三		で	は	日	に	の	の	し	市	は
そ	と	す	で	で	入	と	に	田	年		は	わ	頑	入	ぼ	た	の	立	、
、	て	る	、	田	の	な	熱	ん	生		無	た	張	っ	り	を	一	さ	お
突	も	姿	黙	ん	の	っ	中	ぼ	の		く	し	ろ	て	、	開	日	ぬ	米
然	た	は	々	ぼ	キ	て	症	で	夏		、	に	う	き	つ	け	は	き	と
の	く	、	と	に	ャ	し	で	お	、		毎	と	！	ま	つ	る	ご	南	わ
別	ま	ま	草	立	ッ	まい	倒	米	わ		日	っ	ー	す	や	と	は	中	た
れ	し	だ	を	っ	プ	い	れ	を	た		を	て	と	°	の	、	ん	学	し
は	く	子	刈	て	帽	まし	て	作	し		支	、	自	ご	光	白	か	校	
信	見	供	っ	いま	を	た	しま	っ	の		え	た	然	は	る	い	ら	三	
じ	え	だ	たり	まし	か	°	い	て	祖		て	だ	に	ん	真	湯	始	年	
ら	て	っ	、	た	ぶり	祖	、	いた	父		く	お	思	を	っ	気	まり		
れ	いま	た	水	°	、	父	そ	祖	が		れ	腹	え	見	白	が	ます	三	
ず	まし	た	の	強	泥	は	の	父	が		る	を	て	と	い	ふ	°	好	
、	した	し	管	い	の	い	ま	が	、		力	満	き	ー	ご	わ			
心	°	に	理	日	つ	つ	ま		り		な	た	ま	今	は	っ	朝	凜	
に											の	す	す						

あ	て	な	で	か	し	か	よ		父	し		業	な	く	が	う	家		大
れ	い	く	、	さ	た	い	く	そ	が	さ	悲	を	が	れ	声	と	族	祖	き
か	る	て	涙	と	。ひ	だ	覚	の	慕	、	し	し	汗	ま	を	言	で	父	な
ら	の	も	が	一	と	と	え	の	わ	ま	い	て	を	し	か	っ	は	が	穴
六	だ	、	こ	緒	く	き	て	新	れ	た	持	い	ぬ	た	け	て	出	亡	が
年	と	祖	ぼ	に	ち	、	い	米	て	い	ち	姿	ぐ	。実	合	い	来	な	開
が	思	父	れ	祖	、	祖	す	を	た	米	の	を	い	っ	い	ま	い	っ	い
経	い	の	そ	父	ま	父	。炊	炊	人	を	中	見	な	た	、	し	の	た	し
ち	ま	お	う	の	た	が	き	いた	だ	大	で	、	ら	稲	祖	。け	、	年	ま
ま	し	米	に	思	ひ	近	立	時	と	切	、	胸	、	が	父	れ	農	の	い
し	た	は	り	い	と	に	て	の	分	に	近	が	祖	風	の	ど	協	稲	ま
た	。	私	ま	が	く	い	ご	こ	かり	扱	所	熱	父	に	ん	近	に	刈	し
。		た	し	伝	ち	る	は	と	まし	う	の	く	が	揺	ぼ	所	相	り	た
祖		ち	た	わ	と	よう	ん	は	した	思	農	なり	植	れる	の	農	談	は	
父		を	。	っ	食	に	の	、	た	い	家	まし	え	中	稲	家	し	、	
の		支	祖	て	べ	感	香	今	。	、	さん	た	た	、	を	さん	て	残	
田		え	父	る	る	じ	り	で		何	の	稲	く	刈	家	み	み	さ	
ん		て	が	よ	と	ま	を	も		より	の	の	み	っ	さん	よ	れ	た	
ぼ		れ	い	う	温					祖	優	た。	作	ん	て		た		

は	、	今	も	近	所	の	農	家	さ	ん	が	受	け	継	ぎ	、	お	米	を	作	っ	て	く	だ	さ	っ	て	い	ま	す	。	私	た	ち	は	、	そ	の	お	米	を	買	い	、	食	べ	続	け	て	い	ま	す	。	炊	き	立	て	の	ご	は	ん	を	食	べ	る	た	び	に	、	祖	父	の	笑	顔	や	、	田	ん	ぼ	に	立	つ	姿	が	浮	か	ん	で	来	ま	す	。	お	米	は	祖	父	と	の	思	い	出	を	結	ん	で	く	れ	る	大	切	な	存	在	で	す	。	最	近	の	ニ	ュ	ー	ス	で	は	「	お	米	が	足	り	な	い	」	、	「	値	段	が	上	が	っ	て	い	る	」	と	い	う	こ	と	を	よ	く	耳	に	し	ま	す	。	異	常	気	象	に	よ	る	不	作	や	、	消	費	の	変	化	な	ど	が	影	響	を	し	て	い	る	よ	う	で	す	。	政	府	が	備	蓄	米	を	市	場	に	出	し	た	、	と	い	う	ニ	ュ	ー	ス	も	見	ま	し	た	。	毎	日	、	当	た	り	前	の	よ	う	に	食	べ	て	い	る	ご	は	ん	が	、	実	は	多	く	の	人	の	努	力	や	工	夫	に	よ	っ	て	支	え	ら	れ	て	い	る	こ	と	を	知	り	ま	し	た	。	も	し	祖	父	が	生	き	て	い	た	ら	、	こ	の	状	況	を	ど	う	思	っ	た	だ	ろ	う	。	き	っ	と	「	お	米	は	人	を	つ	な	ぐ	も	の	や	け	ん	、	大	事	に	せ	な	い	か	ん	ぞ	」	と	言	っ	た	と	思	い	ま	す	。	方	言	ま	じ	り	の	声	が	今	で	も	耳	に	よ	み	が	え	り	ま	す	。	わ	た	し	は	、	ご	は	ん	を	食	べ	る	た	び	に	祖	父	の	思	い	を	受	け	取	り	、	地	域	の	人	へ	の	感	謝	も	か	み	し	め
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

[illegible]

こ	れ	か	ら	も	、	わ	た	し	は	祖	父	の	田	ん	ぼ	の	お	米
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

を食べ続けたいです。
祖父の姿や言葉
を思い

出したが、食べ物大切にする人間でいた

いです。

も	
に	お
祖	米
父	は
と	わ
の	た
絆	し
で	の
あ	毎
り	日
宝	を
物	支
で	え
す	る
。	力
	で
	あ
	る
	と
	と

も
に
祖
父
と
の
絆
で
あ
り
宝
物
で
す
。